# 10. 1008 श्री शीतल नाथ जी

यक्ष
ब्रह्मोत्तर

चिन्ह
कल्पवृक्ष

वर्ण
पीतवर्ण

यक्षिणीं
ज्वालामालिनी

## अर्घ

श्री फलादि वसु प्रासुक द्रव्य साजे,
नाचे रने मचत बज्जत सज्ज बाजे।
रागादि दोष मल मर्दन हेतु येवा,
चर्चों पदाब्ज तव शीतलनाथ देवा॥

ॐ ह्रीं शीतलनाथ जिनेन्द्राय अनर्घ्य पद प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

चैत्र कृष्णा-८

गर्भकल्याणक

माघ कृष्णा-१२

जन्मकल्याणक

माघ कृष्णा-१२

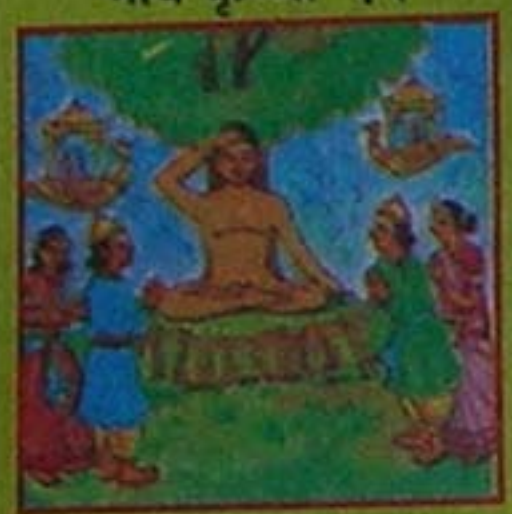

तपकल्याणक

पोष कृष्णा-१४

केवलज्ञान कल्याणक

पिता: श्री द्वढरथराजा
माता: सुनन्दा देवी

मोक्ष स्थान श्री सम्मेदशिखर जी

अश्विन शुक्ला-८

मोक्षकल्याणक